राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 04 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-213 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं

तलाक केस में मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी,गुजारा भत्ता देने के निर्देश

कहा-'वोडाफोन डॉग' की तरह पीछे चलने की उम्मीद नहीं कर सकते

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है। यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था। दोनों की शादी 34 साल पहले, सितंबर 1992 में हुई थी। कपल के चार बच्चे भी हैं। अभी पति की उम्र 67 साल है। हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच काफी कड़वाहट है और दोबारा साथ आने की कोई संभावना नहीं बची है। इसके बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए तलाक मंजूर कर लिया। हालांकि कोर्ट ने पति को पत्नी को 7 लाख गुजारा भत्ता देने का भी आदेश दिया। पति ने अपनी तलाक याचिका में बताया था कि वह नौकरी के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से मुंबई चला गया था, लेकिन पत्नी उसके साथ नहीं गई। 2014 में पति ने शिवगंगा के फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की।

हाईकोर्ट ने माना-रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी

पति–पत्नी करीब 16 सालों से अलग रह रहे थे और पत्नी की ओर से पति के पास लौटने की कोई औपचारिक कोशिश भी सामने नहीं आई। समझौते की संभावना तलाशने के लिए हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से बातचीत की, मगर बात नहीं बन सकी। हाईकोर्ट ने माना कि रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी है। दोबारा साथ आने की संभावना नहीं बची। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का संदर्भ देते हुए कहा कि लंबे समय तक अलग रहना, वैवाहिक जीवन का खत्म हो जाना और रिश्ते का पूरी तरह टूट जाना परिस्थितियों के आधार पर मानसिक क्रूरता के दायरे में आ सकता है। इसके बाद अदालत ने तलाक की मंजूरी दे दी।

पति ने पत्नी पर अवैध संबंध के भी आरोप लगाए थे

पति ने अपनी तलाक याचिका में आरोप लगाया था कि पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति के साथ अवैध संबंध हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने अवैध संबंध के आरोप को स्वीकार नहीं किया। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस एमडी सुमति की बेंच ने कहा कि जिस व्यक्ति को पत्नी का प्रेमी बताया गया था, उसे मामले में पक्षकार ही नहीं बनाया गया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोप में प्रेमी को भी मामले में शामिल करना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर अवैध संबंध के आधार पर लगाया गया आरोप टिक नहीं सकता।

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

बालाकोट स्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। अभिनंदन वायुसेना में मिग-21 फाइटर उड़ाते थे।

संक्षिप्त समाचार

हल्द्वानी शुद्धिकरण पर खड़गे ने नड्डा को लिखा पत्र

हल्द्वानी (एजेंसी)। हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। खड़गे ने पत्र में कहा कि घटना के 24 दिन बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। खड़गे ने लिखा कि 8 अगस्त को हल्द्वानी में उनकी

जनसभा के बाद रामलीला मैदान के मंच का शुद्धिकरण कराया गया। उन्होंने नड्डा से कहा है कि वे राज्यसभा में दिए अपने आश्वासन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देशित करें और रामलीला मैदान में हुए शुद्धिकरण में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। खड़गे ने कहा कि ऐसे लोगों को सबक देना जरूरी है। उनके मुताबिक, इस मामले में उनका रोष केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है, जिससे समाज का एक बड़ा तबका प्रभावित होता है।13 अगस्त को राज्यसभा में मुद्दा उठाते हुए खड़गे ने आरोप लगाया था कि उनके भाषण के बाद शुद्धिकरण किया।

टीएमसी दफ्तर में सुबह साढ़े चार बजे तोड़फोड़

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में बीजेपी के लोगों पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4.30 बजे आए थे। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के

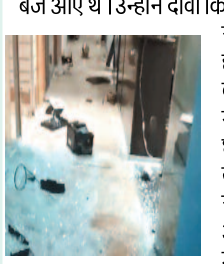

साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया। अभिषेक के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन करीब दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी ऑफिस को लेकर कुछ दिन पहले भी विवाद हुआ था। कोलकाता नगर निगम ने 31 अगस्त को पुलिस की मौजूदगी में इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। इस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थीं।

यूपी चुनाव से पहले मायावती का आर-पार वाला दांव!

मेरठ (एजेंसी)। लगता है कि सियासत में बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोर्डिनेटर आकाश आनंद के सितारे गर्दिश से बाहर नहीं निकल पा रहे। आकाश आनंद 2017 में पहली बार सियासी मंच पर चढ़े और इसके बाद कई बार उसी मंच से नीचे उतार दिए गए। ये सब कोई और नहीं, बल्कि खुद उनकी बुआ और बीएसपी की अध्यक्ष मायावती ही कर रही हैं। गुरुवार को एक बार फिर मायावती ने

आकाश आनंद को जोर का झटका दे दिया। लखनऊ में बुलाई गई राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मायावती ने कहा कि आकाश आनंद अभी मैच्योर नहीं हैं और उन्हें अभी और ज्यादा परिपक्व होने की जरूरत है, इसलिए फिलहाल उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। एक तरह से मायावती ने सियासी तौर पर आकाश आनंद को 'पैदल' कर दिया है।। मायावती ने चार दिन पहले और आज बुलाई गई बैठक में आकाश को बुलाया तक नहीं।

एमपी से बंगाल तक 'सैलाब' का कहर

● बिहार में खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही गंगा ● 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

बाढ़ की चपेट में बिहार के 13 जिले,8 नदियां उफनाईं

बिहार के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 8 नदियां उफान पर हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन पर घुटनों तक गंगा का पानी पहुंच गया है। सोन नदी पर स्थित रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज से सोन नदी में 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका है। बक्सर में नेशनल हाईवे पानी में डूब गया है। बेतिया में गंडक नदी के कटाव के कारण एक पक्का घर नदी में समा गया।

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं एमपी और उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

लैंडस्लाइड से सीधी-यूपी रूट ब्लॉक, उमरिया में बही महिला

मध्य प्रदेश में मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम ऐक्टिव है। सीधी के कैमूर पहाड़ की मूड़ा घाटी में लैंडस्लाइड के कारण सीधी–यूपी मार्ग बंद है। बारिश के चलते सड़क पर बड़े पत्थर और पेड़ गिर गए हैं। सड़क के नीचे 100 फीट से ज्यादा गहरी खाई होने से यहां हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। छतरपुर में मूसलाधार बारिश की वजह से सभी स्कूल बंद हैं। लवकुशनगर में कच्चा मकान ढह गया। मकान गिरने का वीडियो भी सामने आया है। उमरिया में बाढ़ में एक महिला बह गई, जो अभी भी लापता है। चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर कम होते ही हालात सामान्य होने लगे हैं।

काशी में बाढ़, मोदी ने डीएम-मेयर को फोन किया

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा–वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। इसी बीच, काशी के सांसद पीएम मोदी ने वाराणसी डीएम सत्येंद्र कुमार और मेयर अशोक तिवारी से बात की। उन्होंने शहर में बाढ़ के हालात की डिटेल में जानकारी ली। पीएम ने कहा–यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। बाढ़ प्रभावित लोगों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाते हुए उन्हें तत्काल जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी आसपास की सड़कों पर बह रहा है। 500 से अधिक दुकानों और 20–25 होटलों में पानी घुस गया है। यहां मकान ढहने से पिता और 2 बच्चों की मौत हो गई। पत्नी और बेटी की हालत गंभीर है। कानपुर देहात में मकान ढहने से 2 बच्चों की मौत हो गई। बलिया में गंगा–सरयू नदियां उफान पर हैं। शहर के कई इलाकों में पानी घुस गया है। सड़कों पर कमर तक पानी है। इसके चलते नाव चल रही है। सोनभद्र में प्रदेश का सबसे बड़ा रिहंद बांध ओवरफ्लो हो गया।

अब एच-1 बी वीजा पर भारतीय प्रोफेशनल के लिए नया संकट

नौकरी गई तो 60 दिन की मोहलत भी खत्म हो सकती है, अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स की लाइफलाइन माने जाने वाले एच-1बी वीजा पर नया संकट मंडरा रहा है। अमेरिका में चल रही छंटनी के बीच इस साल की पहली छमाही में करीब 10 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को नौकरी जाने के बाद अमेरिका छोड़कर भारत लौटना पड़ा। इन्हें 60 दिन के ग्रेस पीरियड में नई नौकरी नहीं मिल पाई। अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेस के इस साल की पहली छमाही के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। इसकी तुलना में पूरे 2025 में करीब 5,100 भारतीय प्रोफेशनल्स को अमेरिका छोड़ना पड़ा था। यानी इस साल सिर्फ छह महीने में यह संख्या पिछले पूरे साल के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई।

उड़ान के बीच दोहा-बेंगलुरु फ्लाइट पायलट की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के पायलट की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद फ्लाइट मस्कट डायवर्ट करना पड़ा। मेडिकल इमरजेंसी के बीच प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। मेडिकल टीम ने पायलट की जांच की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन के मुताबिक, अब पायलट की हालत ठीक है। इंडिगो ने बताया कि बेंगलुरु से एक विमान मस्कट भेजा जा रहा है, जो यात्रियों को लेकर बेंगलुरु पहुंचेगा। एयरलाइन ने कहा कि मस्कट में विमान का इंतजार कर रहे यात्रियों को खाना और पीने की चीजें दी जा रही हैं और उन्हें लगातार अपडेट किया जा रहा है। जिस विमान से यात्री बेंगलुरु वापस आएंगे उसके लिए नए क्रू की व्यवस्था भी की गई है। इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया।

एयरफोर्स ने किया लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का सफल टेस्ट

300 किलो वजन,मिग और मिराज एयरक्राफ्ट से दागे जाएंगे ये बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम खगांतक-243 का सफल ड्रॉप टेस्ट किया है। इससे भारत की स्वदेशी हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। इसमें 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया है। यह बम 144 से 180 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकता है। इसकी मदद से लड़ाकू विमान दुश्मन

के एयर डिफेंस सिस्टम की सीमा में गए बिना दूर के लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इसे मिग-29के और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों में भी शामिल करने की योजना है। खगांतक-243 को नागपुर की स्टार्टअप कंपनी जेएसआर डायनेमिक्स ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया है। इंडियन एयरफोर्स ने इसका पहला टेस्ट पोखरण में सुखोई एसयू-30 एमकेआई से किया था। ग्लाइड बम में क्रूज मिसाइल की तरह अपना इंजन नहीं होता। यह हवा में बने लिफ्ट के सहारे लक्ष्य की ओर बढ़ता है। इसकी लागत कम होने के कारण इन्हें बड़ी संख्या में बनाया जा सकता है। खगांतक सीरीज में 306 और 225 जैसे भारी वेरिएंट भी शामिल हैं, जिनकी मारक क्षमता ज्यादा है। वहीं, डीआरडीओ ने 2025 में 1,000 किलो के गौरव लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का भी परीक्षण किया था। एयरफोर्स ने खगांतक-243 के लिए डीआरडीओ को सीमित संख्या में प्रोडक्शन का ऑर्डर भी दिया है।

भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं

● भारत और बेल्जियम संबंधों पर खुलकर बोले प्रधानमंत्री मोदी ● रक्षा से लेकर खाद्य और क्लीन एनर्जी क्षेत्रों पर भी रखी बात

जोरावर टैंक से सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स तक चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों देशों के संबंधों के आधार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। ये जड़ें हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। दोनों की मौजूदगी में भारत और बेल्जियम के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ, जो रक्षा से लेकर खाद्य, क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया गया। पीएम मोदी ने इस दौरान जोरावर टैंक से लेकर आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स का भी जिक्र किया। एक दशक पहले की गई बेल्जियम यात्रा का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि मुझे दस साल पहले बेल्जियम जाने का मौका मिला था और मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि पिछले दशक में हमारी साझेदारी ने कितनी शानदार तरक्की की है।

बेल्जियम पीएम का किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी ने वेवर का स्वागत करते हुए कहा कि बेल्जियम पीएम की पहली भारत यात्रा पर उनका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह उनकी पहली भारत यात्रा जरूर है, लेकिन भारत से उनका परिचय पुराना है। वे लंबे समय तक एन्टवर्प के मेयर रहे हैं और उन्होंने एन्टवर्प के बड़े भारतीय समुदाय और भारत–बेल्जियम हीरे का व्यापार को हमेशा समर्थन दिया है। भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। पहले विश्व युद्ध में बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। आज लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच आपसी गहरे संबंध हमें स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

भारत-बेल्जियम के संबंधों की जड़ें गहरी

विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को व्यापक करने की बात भी पीएम मोदी ने की। उन्होंने कहा कि आज विश्व एक बड़े उथल–पुथल के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। खाद्य, ईंधन या आपूर्ति श्रृंखला, हर क्षेत्र में अनिश्चितता का प्रभाव पड़ रहा है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछले क्वार्टर में हमने 7.8 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। आज भारत की विकास की कहानी दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफटीए का जिक्र भी किया। पीएम मोदी कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में हमने ऐतिहासिक भारत–यूरोपीय यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया। विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियों के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग वैश्विक स्थिरता और साझा समृद्धि को नई मजबूती देगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जन्माष्टमी का संदेशः उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

(4 सितंबर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी)

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा। जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(रु 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

(लेखक- ललित गर्ग)

(शिक्षक दिवस- 5 सितम्बर, 2026)

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए।

शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है।

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा

आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

विचार मंथन

एम्स में तारीख पर तारीख का खेल, 13 साल नहीं हो पाया ऑपरेशन

(लेखक- सनत जैन)

एम्स जैसे माने हुए अस्पताल में एक बच्ची का समय पर इलाज न हो पाना, और उसकी दर्दनाक मौत हो जाना अपने आप में अस्पताल के लिए भी शर्म की बात है। वहीं दूसरी तरफ बच्ची का पिता डॉक्टर को भगवान मानकर अब रोता हुआ फिर रहा है। कह रहा है कि हम 13 साल में अपनी बच्ची का इलाज नहीं करा पाए, जिसको लेकर वह दुखी है। इसके अलावा और वह कुछ कर भी नहीं सकता है।

एम्स जैसे संस्थान में 13 वर्षों में एक बच्ची का ऑपरेशन नहीं हो पाया, जिसके कारण उसकी जान चली गई। यह मामला सामने आने के बाद भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था और भारत में जिनके पास व्यवस्था की कमान है, उनकी जिम्मेदारियों को लेकर एक नया सवाल खड़ा हो गया है। कोटा की 15 वर्षीय बच्ची तन्वी को उसके पिता 2014 में एम्स लेकर गए थे। वहां पर जांच के बाद कहा गया, इसे जन्मजात हृदय की बीमारी है। इसका ऑपरेशन करना होगा। इसके बाद इलाज के लिए पिता ने डेढ़ लाख रुपए 2 सितंबर 2015 को जमा कर दिए थे, जो एम्स ने मांगे थे। उसके बाद भी 2026 तक उसका ऑपरेशन नहीं हुआ। हर बार नई तारीख पर तारीख मिलती रही। अंततोगत्वा बिना ऑपरेशन के तन्वी की मौत हो गई। 13 साल तक लगातार कोटा से दिल्ली जाना एम्स में बच्ची को भर्ती कराना, बार-बार पैसे खर्च करना, बच्ची की बीमारी दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही थी उसके बाद भी उसका ऑपरेशन नहीं हुआ। शायद पिता की गलती यह हुई कि उसने अपनी बच्ची का ऑपरेशन समय पर हो जाए इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में भी तीन बार गुहार लगाई, लेकिन जैसा भारत में होता है गरीब के लिए अलग और अमीर के लिए अलग व्यवस्था और नियम कानून होते हैं। यही इस गरीब के साथ हुआ। 2015 में डेढ़ लाख रुपए जमा कर दिए थे, उस समय उतने ही पैसे मांगे गए थे। पिछले 13 सालों में लाखों रुपए उसके पिता ने बच्ची के इलाज के नाम पर खर्च किए, लेकिन कोई उपचार तो हुआ नहीं उल्टे हर बार उसे एक नई तारीख पर तारीख मिलती रही। दिल्ली का एम्स हॉस्पिटल अपनी विशेष चिकित्सा सुविधा के लिए भारत से लेकर सारी दुनिया में जाना जाता है। यहां पर बड़े-बड़े व्हीव्हीआईपी का इलाज भर्ती होते ही शुरु हो जाता है, लेकिन गरीबों की कितनी बड़ी दुर्दशा है यह तन्वी के मामले से उजागर होती है। बार-बार लाइन पर लगो, जांच के लिए बार-बार एम्स में बुलाया जाता है। अलग-अलग तारीखें दी जाती हैं। मरीज का भाग्य है कि जरुरत के समय पर इलाज मिल जाए और डॉक्टर भगवान बन जाएं। इस केस में तो यही कहा जा सकता है। भगवान ने इसकी जितनी उम्र लिखी थी, जितने कष्ट उसके लिए लिखे थे, वह सब भोगकर वह भगवान के पास चली गई है। डॉक्टर कर भी क्या सकते हैं। मरीजों की गलती है कि वह डॉक्टर को भगवान मानते हैं। भारत के सरकारी अस्पतालों में इलाज को लेकर पहले से ही लोगों में एक धारणा जो बनी हुई है, उसके मुताबिक अस्पताल तो खोल दिए जाते हैं, लेकिन मरीजों के हिसाब से डॉक्टर और अन्य स्टॉफ नहीं होता। यदि किस्मत से चिकित्सक उपलब्ध हो भी गए तो जांच के लिए उपकरण और मशीनें नहीं होतीं। मान लें कि यदि मशीनें और अन्य उपकरण भी अस्पताल में मौजूद हैं तब भी दबाओं का टोटा हो जाता है। ऐसे में मरीज के लिए सरकारी अस्पताल में समय पर उचित इलाज करा लेना टेड़ी खीर साबित होता है। एम्स के मौजूदा मामले ने इस धारणा को कहीं न कहीं मजबूत करने का ही काम किया है। यह अलग बात है कि एम्स में वेटिंग लिस्ट बहुत लंबी होती है, जिस पर आए दिन चर्चा तो होती है, लेकिन समाधान की ओर एक कदम भी आगे बढ़ता हुआ कोई नहीं दिखता है। एम्स जैसे माने हुए अस्पताल में एक बच्ची का समय पर इलाज न हो पाना, और उसकी दर्दनाक मौत हो जाना अपने आप में अस्पताल के लिए भी शर्म की बात है। वहीं दूसरी तरफ बच्ची का पिता डॉक्टर को भगवान मानकर अब रोता हुआ फिर रहा है। कह रहा है कि हम 13 साल में अपनी बच्ची का इलाज नहीं करा पाए, जिसको लेकर वह दुखी है। इसके अलावा और वह कुछ कर भी नहीं सकता है। एम्स हॉस्पिटल दिल्ली को अपनी कार्य प्रणाली में बदलाव करने की जरूरत है। यदि मरीज के तुरंत ऑपरेशन की आवश्यकता है या समय रहते यदि 13 साल तक ऑपरेशन की डेट पर डेट मिलती रही लेकिन ऑपरेशन नहीं हुआ इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

डॉलर की कमजोरी से सोना-चांदी में चमक बढ़ी

सोना 1400 रुपए चढ़ा, चांदी में भी 2800 की बढ़त

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और बॉन्ड यील्ड में नरमी के चलते दोनों कीमती धातुओं को समर्थन मिला, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इनकी चमक बढ़ गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सोने और चांदी में यह तेजी आगे भी जारी रह सकती है, जो निवेशकों के लिए उत्साहजनक खबर है। घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतों में बड़ी उछाल देखने को मिली। अक्टूबर वायदा का सोना लगभग 1400 रुपए बढ़कर 153,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया। चांदी भी इस दौड़ में पीछे नहीं रही, सितंबर वायदा का भाव करीब 2800 रुपए बढ़कर 2,32,750 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जिसमें लगभग 1.2 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं ने एक महीने के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की। कॉमैक्स पर सोने का भाव करीब 1.4 प्रतिशत यानी 62 डॉलर बढ़कर 4476 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इस वैश्विक मजबूती का असर भारतीय बाजारों पर भी साफ तौर पर देखा गया। निर्मल बंग कमोडिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में गिरावट आने पर सोने में 153,500 रुपए के आसपास खरीदारी की रणनीति सुझाई गई है, जिसके लिए 152,300 रुपए का स्टॉप लॉस और 155,000 से 156,500 रुपए तक के लक्ष्य दिए गए हैं। चांदी में भी सकारात्मक रुख देखा गया है। रिपोर्ट में 239,000 के करीब खरीदारी करने की सलाह दी गई है, जिसमें 235,000 का स्टॉप लॉस और 246,000 से 250,000 रुपए तक के संभावित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। डॉलर में लगातार कमजोरी और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन कीमती धातुओं की ओर बढ़ रहा है।

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

कंडक्टर एवं बिजली केबल विनिर्माता कंपनी ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ गुरुवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुआ। शेयर एनएसई पर 110 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य से 34.15 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 44.15 प्रतिशत चढ़कर 118.20 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया।बीएसई पर इसने 32.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें 45.11 प्रतिशत की तेजी आई और यह 118.99 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 3,508.46 करोड़ रुपये और बीएसई पर 3,505.41 करोड़ रुपये रहा। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 118.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 78-82 रुपये प्रति शेयर था।नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, उपकरण और मशीनरी की खरीद तथा कंपनी के सामान्य कामकाज आदि के लिए किया जाएगा।

प्रसोल केमिकल्स का आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली । विशेष रसायन बनाने वाली प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड ने अपने 500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 643-676 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा और 10 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक सात सितंबर को बोली लगा सकेंगे।सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ 80 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 420 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा।वर्ष 1992 में प्राची पॉली प्रोडक्ट्स के नाम से शुरू हुई कंपनी ने 2007 में अपना नाम बदलकर प्रसोल केमिकल्स किया था। 2022 में यह सार्वजनिक कंपनी बनी। कंपनी एसीटोन तथा फॉस्फोरस आधारित और अन्य विशेष रसायनों का उत्पादन करती है।

डॉक्टरों की कमी के बीच विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स की राह मुश्किल

अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 फीसदी से अधिक फेल

नई दिल्ली ।

भारत गंभीर डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव गहराता जा रहा है। इस बीच विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर लौटे हजारों भारतीय स्नातक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। हाल ही में हुई अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार असफल रहे, जिससे देश की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने की चुनौती और भी बढ़ गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा हाल ही में आयोजित फॉरेन मेडिकल ग्रैजुएट परीक्षा (एफएमजीई) में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। 37,448 पंजीकृत उम्मीदवारों में से 36,288 ने परीक्षा दी, लेकिन केवल 4,635 (12.77 प्रतिशत) ही इसे पास कर पाए। यह स्थिति ऐसे समय में आई है जब भारत में डॉक्टरों की भारी कमी है और वे समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 तक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 21,964 विशेषज्ञ डॉक्टरों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 4,413 ही उपलब्ध थे, यानी लगभग 80 प्रतिशत की कमी। दिल्ली स्थित एम्स के एक रेजिडेंट डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त

पर बताया, देश में मेडिकल शिक्षा महंगी होने के कारण हजारों छात्रों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता है। भारत में हर साल 22 लाख से अधिक छात्र नीट-यूजी परीक्षा देते हैं, जबकि देश में एमबीबीएस की केवल 1.30 लाख स्नातक सीटें ही उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 63,700 सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं, जिनकी फीस निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी कम होती है। निजी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई का खर्च 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे यह मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक मुश्किल सपना बन जाता है।

एफएसएसएआई ने ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

3.7 टन उत्पाद नष्ट करने का आदेश

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेंगलुरु स्थित ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कड़े नियामक कदम उठाए हैं। निरीक्षण के दौरान कंपनी के परिसर में बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले और अवधि समाप्त शिशु खाद्य उत्पाद पाए गए, जिसके बाद एफएसएसएआई ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एफएसएसएआई ने बताया कि खाद्य सुरक्षा जांच के दौरान, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले शिशु खाद्य पदार्थों की पहचान कर उन्हें जब्त किया गया। नियामक ने इन उल्लंघनों की गंभीर प्रकृति और मानकों का पालन न करने वाले उत्पादों से शिशुओं तथा छोटे बच्चों को होने वाले संभावित जोखिम को देखते हुए कंपनी के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, एफएसएसएआई ने अदालत के निर्देशानुसार 3.7 टन अवधि समाप्त हो चुके शिशु खाद्य पदार्थों को नष्ट करने का आदेश दिया। इन खराब हो चुके उत्पादों का सुरक्षित तरीके से निपटान सुनिश्चित किया गया है ताकि उनके दोबारा इस्तेमाल, गलत जगह भेजे जाने या खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में फिर से शामिल किए जाने को रोका जा सके। यह कार्रवाई शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति नियामक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आरबीआई की विशेष योजना सफल, भारत में पहुंचे 136 अरब डॉलर

एनआरआई ने जमा किए सर्वाधिक 127 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष विदेशी मुद्रा जुटाने वाली योजना को अभूतपूर्व सफलता मिली है। 31 अगस्त तक इसके तहत देश में रिकॉर्ड 136 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आ चुकी है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इस राशि का मुख्य हिस्सा (करीब 127 अरब डॉलर या 93 फीसदी) विदेशों में रहने वाले भारतीयों (एनआरआई) द्वारा जमा किया गया। शेष भारतीय कंपनियों की उधारी से आया। आरबीआई ने 8 जून को यह योजना वैश्विक अस्थिरता से अर्थव्यवस्था को सुरक्षा कवच देने हेतु शुरू की थी। शुरुआत में धीमी गति के बाद, अगस्त के अंतिम 10 दिनों में 63 अरब डॉलर से अधिक की अप्रत्याशित तेजी देखी गई। इस त्वरित सफलता के चलते, आरबीआई ने एनआरआई जमा विकल्प को निर्धारित समय से पहले 31 अगस्त को ही बंद कर दिया। यह 2013 की समान योजना से पांच गुना अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने का रिकॉर्ड है। एनआरआई की यह भागीदारी भारत की अर्थव्यवस्था में उनके गहरे भरोसे को दर्शाती है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार रुपये को स्थिर रखेगा, आयात लागत पर दबाव कम करेगा और महंगाई नियंत्रण में सहायक होगा। इसका लाभ आम आदमी को आर्थिक स्थिरता के रूप में मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 417, निफ्टी 41 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 417.49 अंक नीचे आकर 76,152.86 पर और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 41 अंक टूटकर 23,873.45 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4546 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 2552 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी जबकि 1769 शेयरों में गिरावट आई और 225 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

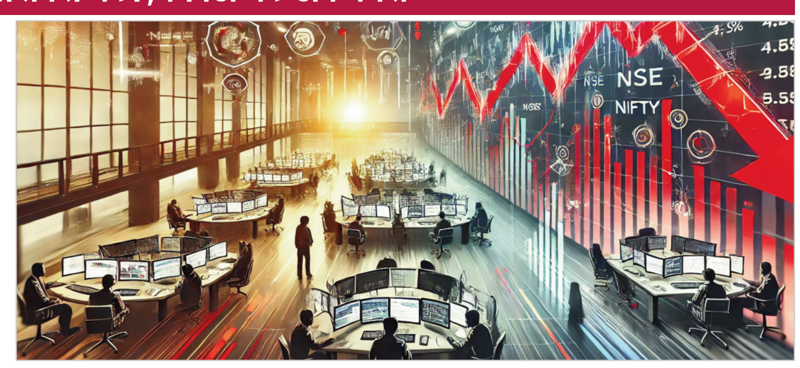

निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एशियन पेंट्स शामिल रहे।

वहीं टेक महिंद्रा, सिप्ला, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आज ऑटो, फार्मा और एफएमसीजी में गिरावट आई, जबकि रियल्टी इंडेक्स और मीडिया इंडेक्स में बढ़त हुई। पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 प्रतिशत उछला। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई।

सुबह बाजार तेजी के साथ खुले, सेंसेक्स 220 अंकों से अधिक की मजबूती के साथ 76,800 के स्तर के पास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी करीब 80 अंकों की तेजी के साथ 24,000 के करीब पहुंच गया।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली ।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है। 2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 26 अंकों की तेजी के साथ 94.47 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.26 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा में उम्मीद से काफी अधिक राशि जुटने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये की चाल मजबूत पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आक्रामक हस्तक्षेप को दर्शाती है, जिसने कच्चे तेल की ऊंची कीमतों तथा वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के नकारात्मक असर को बेअसर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त हासिल करते हुए 94.26 प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 47 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 22 पैसे की तेजी के साथ 94.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.43 पर रहा।

एसबीआई यूपीआई सेवा 4 सितंबर रात 45 मिनट के लिए बंद रहेगी

बैंक ने बताया मेंटेनेंस के कारण, रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक नहीं होगा भुगतान

नई दिल्ली

अगर आप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के यूपीआई यूजर हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। बैंक ने घोषणा की है कि 4 सितंबर की रात को उसकी यूपीआई सेवाएं 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी। यह रुकावट सिस्टम के निर्धारित मेंटेनेंस के कारण होगी, जिससे ग्राहकों को इस अवधि में ऑनलाइन भुगतान में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई के अनुसार सेवाएं 4 सितंबर की रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक बंद रहेंगी।

इस दौरान, ग्राहक यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजने, बिल भरने या ऑनलाइन खरीदारी जैसे कोई भी भुगतान नहीं कर पाएंगे। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि उन्हें इस अवधि के आसपास कोई जरूरी भुगतान करना है, तो उसे पहले ही निपटा लें। अचानक परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक डिजिटल भुगतान विकल्पों को भी तैयार रखने की सलाह दी गई है।

एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से ग्राहकों को सूचित करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। बैंक ने इस अवधि के दौरान छोटे भुगतानों के लिए यूपीआई लाइट का विकल्प भी सुझाया है।

ई-कॉमर्स सेक्टर में बंपर भर्तियां, त्योहारी सीजन ला रहा लाखों रोजगार

- मीशो 10 लाख, अमेजन 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर देगा

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने रोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं। इस साल मांग में भारी उछाल की उम्मीद के चलते मीशो और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां मिलकर लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। यह हायरिंग प्रक्रिया अगस्त से शुरू होकर सर्दियों के शादी सीजन तक जारी रहने की संभावना है।

त्योहारी सीजन के नजदीक आते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां शुरू कर दी हैं। इस साल त्योहारी बिक्री स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के साथ अगस्त में ही अपेक्षाकृत जल्दी शुरू हो चुकी है, जिसके दीवाली और उसके बाद सर्दियों के शादी के सीजन तक जारी रहने की उम्मीद है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो इस त्योहारी सीजन में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसमें लगभग 6.5 लाख लोग उसके विक्रेता नेटवर्क से जुड़ेंगे, जबकि करीब 3.75 लाख लोग लॉजिस्टिक्स विभाग में काम करेंगे। मीशो का लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म वाल्मो अन्य भागीदारों के साथ मिलकर डिलीवरी, सॉर्टेशन और सेंटर संचालन जैसी भूमिकाओं के लिए लोगों को नियुक्त करेगा।

कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, त्योहारी सीजन ऑनलाइन खरीदारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसी क्रम में, ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने भी देशभर में अपने नेटवर्क में 1,60,000 से अधिक रोजगार अवसर पैदा किए हैं। इसमें क्यूकॉम वर्टिकल अमेजन नाउ भी शामिल है। कंपनी देश के करीब 400 शहरों में पिकिंग, पैकिंग, शिपिंग और डिलीवरी जैसी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की भर्ती कर रही है। ये भर्तियां त्योहारी मांग को कुशलतापूर्वक संभालने में सहायक होंगी।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली ।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है।

2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है।

यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं। 31 गुना और 33 गुना के पीई मल्टीपल के साथ, ये सेगमेंट पिछले 14 वर्षों की तुलना में बहुत महंगे हैं। उनका रिस्क प्रीमियम पिछले 14 सालों के निचले क्वार्टाइल में है, जो 2023-24 की उस तेजी का परिणाम है जिसे नियामक ने खुद अत्यधिक तेजी वाला बताया था। यह स्थिति बाजार को दो स्पष्ट दिशाओं में बांटती है- एक तरफ वैल्यू के लिहाज से आकर्षक लार्जकैप सेगमेंट, जो भारत की ब्लूचिप कंपनियां हैं और पिछले दो सालों से विदेशी निवेश की निकासी झेल रही हैं।

हैकरों से एक कदम आगे रहना होगा ऑटो उद्योग को:मारुति सुजुकी

उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारतीय वाहन उद्योग को साइबर हमलों से एक कदम आगे रहने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हैकर लगातार अपनी तकनीक को उन्नत कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा। हाल के वर्षों में कई बड़े साइबर हमलों ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जिससे अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के 66वें सालाना सत्र में अपने भाषण के दौरान ताकेउची ने कहा कि जैसे-जैसे उद्योग अधिक डिजिटल होता जा रहा है, साइबर सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि संगठन आधुनिक तकनीक में निवेश कर अपने साइबर सुरक्षा सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हैकर्स भी अपनी तकनीक को बेहतर और अधिक स्मार्ट बना रहे हैं।

ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनसे हमेशा एक कदम आगे रहें। उन्होंने सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स की कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर हुए बड़े साइबर हमले का उदाहरण दिया। इस हमले के कारण ब्रिटिश लग्जरी कार कंपनी को अपने आईटी सिस्टम बंद करने पड़े और ब्रिटेन के संयंत्र में उत्पादन लगभग छह सप्ताह तक रोकना पड़ा। इस रुकावट ने विनिर्माण, रिटेल और वितरण पर गंभीर असर डाला, जिससे जेएलआर को 19.6 करोड़ पौंड का भारी खर्च उठाना पड़ा। थोक बिक्री में 24 प्रतिशत और रिटेल बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि कैसे एक कार निर्माता पर हुआ साइबर हमला उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

जेएलआर की घटना से पहले, मई 2023 में सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया को भी साइबर हमले का शिकार होना पड़ा था। इस हमले के कारण कंपनी को लगभग एक सप्ताह के लिए अपने संयंत्रों में उत्पादन रोकना पड़ा, जिससे अनुमानित रूप से 20,000 से अधिक दोपहिया वाहनों का नुकसान हुआ था। ये घटनाएं भारतीय वाहन उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा को एक अनिवार्य प्राथमिकता बनाती हैं।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स ।वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।
सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।
चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई ।पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।
इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।
विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपन: लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।
अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

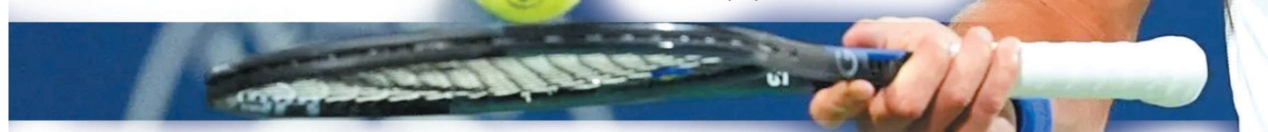

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

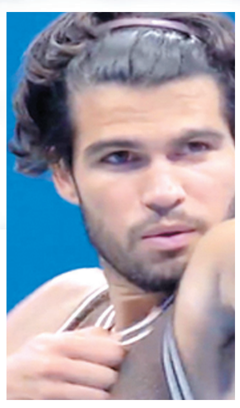

न्यूयॉर्क ।कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4–6, 6–0, 6–3, 6–2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6–4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार–चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6–0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6–3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6–2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन–ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7–5, 6–3, और 6–1 से हराया।

दलीप ट्रॉफी

तिलक वर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

बेंगलुरु । दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई । पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।
इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज: अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद(एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरिमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सितंबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाडियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की और से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को उहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो । श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंडू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

सेंट किट्स ।वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?: प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।

पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका ने चाबहार समेत ईरान के कई ठिकानों पर किए हमले; ट्रंप ने क्या धमकी दी

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया। भारतीय समयानुसार रात करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुए हमलों में ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने एक सितंबर को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक पूरी की। अमेरिकी सेना ने आईआरजीसी के ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस साइट, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने और सुविधाएं, बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता से जुड़े ठिकाने और संचार केंद्र शामिल थे। कमान ने कहा कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर आईआरजीसी के हालिया हमलों की कोशिशों के बाद किए गए। पश्चिम एशिया में इस समय 50 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। कमान ने कहा कि ये सैनिक सतर्क हैं और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की जाएगी। ईरान की समाचार एजेंसियों के अनुसार, केशम द्वीप, बंदर अब्बास, चाबहार, जास्क और सिरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी जॉर्डन के शहर अकाबा के ऊपर धमाके दिखाई दिए। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी हमले में एक घर को निशाना बनाया गया। उस समय वहां शादी समारोह चल रहा था। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान ने इस हमले का जवाब दिया, तो उसे और भी सख्त परिणाम भुगतने होंगे। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका को अपने इन नए हमलों पर पछतावा होगा।

आर्थिक नीति: जी20 मंच से इतर रूस, कोरियाई दल से सीतारमण की मुलाकात; आईएमएफ एमडी ने भारत की तारीफ में क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के एशविल में आयोजित जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कई अहम देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भारत के आर्थिक सहयोग, निवेश, वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण ने रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम पर विचार साझा किए। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। बैठक में न्यू डेवलपमेंट बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर विचार हुआ। दोनों नेताओं ने इन संस्थानों को प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के रूप में मजबूत करने के लिए साझा हित वाले क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशीं। इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री कू यून-चोल से भी मुलाकात की। सीतारमण ने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के बीच संबंधों से कई क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ हुआ है।

मृतकों का आंकड़ा 1127 पहुंचा, 4800 से अधिक लोग अभी भी लापता; भारत की पांचवीं मदद रवाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल है। फिलहाल राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को नेपाल के बाढ़ प्रभावित त्रिशूली बाजार पहुंचे। उन्होंने मौके पर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं। बाढ़ से हुए भारी नुकसान को देखकर सोनू सूद ने चिंता जताई और कहा कि लोगों को सामान्य जिंदगी में लौटने में काफी समय लग सकता है।

एएनआई से बातचीत में उन्होंने नेपाल की मदद के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। सोनू सूद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में नेपाल को दी जा रही सहायता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राहत और सहयोग का सिलसिला लगातार जारी रखना जरूरी है, क्योंकि प्रभावित लोगों की मुश्किलें कुछ हफ्तों या महीनों में खत्म नहीं होंगी। उन्होंने सभी से नेपाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

मौतों का आंकड़ा 1,127 पहुंचा : नेपाल में बाढ़ की तबाही से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है। आपदा के एक सप्ताह बाद भी हजारों लोग लापता हैं और सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। नेपाल पुलिस के मुताबिक, सबसे ज्यादा शव चितवन से 348, नवलपरासी ईस्ट से 217, नवलपरासी वेस्ट से 190 और नुवाकोट से 155 बरामद किए गए हैं। इसके अलावा गोरखा से 66, धादिंग से 59, रसुवा से 45 और तनहूं से 38 शव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक 1,113 शवों का पोस्टमार्टम और कानूनी पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इनमें से 95 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। लापता लोगों के परिवारों की मदद के लिए नेपाल पुलिस ने 911 अज्ञात शवों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, ताकि परिजन तस्वीरों और उपलब्ध विवरण के आधार पर अपने रिश्तेदारों की पहचान कर सकें। नेपाल पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 6,541 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। वहीं, 4,858 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए प्रभावित क्षेत्रों में अभियान जारी है।

नेपाल के लिए भारत ने भेजी पांचवीं मदद : नेपाल में राहत और बचाव अभियान के लिए भारत ने मदद का सिलसिला जारी रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को बताया कि भारत का पांचवां विमान राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए रवाना हो गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस विमान में 11 सदस्यीय विशेष रेस्क्यू टीम मौजूद है। टीम के साथ बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले जरूरी उपकरण भी भेजे गए हैं। इसके अलावा विमान में करीब 5.5 टन आवश्यक दवाएं भी भेजी गई हैं। भारत की ओर से यह सहायता नेपाल में जारी राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से भेजी गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि पांचवां भारतीय विमान नेपाल के लिए रवाना हो चुका है और इसमें विशेष उपकरणों से लैस बचाव दल के साथ बड़ी मात्रा में जरूरी दवाएं भी शामिल हैं।

सरकार की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना : लोक बहादुर छेत्री ने कहा कि इस समय नेपाल सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना, लापता लोगों का पता लगाना, बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों, चाहे वे नेपाली नागरिक हों या विदेशी, को जरूरी सहायता और सहयोग मिले। नेपाल में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। बड़ी संख्या में लोगों की मौत के साथ-साथ कई लोग अब भी लापता हैं। ऐसे में राहत, शवों की पहचान और जोखिम वाले इलाकों में बचाव अभियान लगातार जारी है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: दिल्ली में जुटेंगे दुनिया के दिग्गज, गुटेरेस आएंगे; पुतिन-जिनपिंग भी कर सकते हैं शिरकत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत की मेजबानी में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि गुटेरेस के सम्मेलन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख करीब 10 दिन बाद नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे।

गुटेरेस का भारत से पुराना जुड़ाव : यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का इस साल भारत का यह दूसरा महत्वपूर्ण दौरा होगा। फरवरी 2026 में वह नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल हुए थे। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक AI शिखर सम्मेलन था।

ईरान संघर्ष को लेकर भी जताई चिंता : इससे पहले बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान गुटेरेस ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान में जारी संघर्ष के मानवीय और आर्थिक प्रभावों पर चिंता जताई। गुटेरेस ने संघर्ष का समाधान बातचीत और वार्ता के जरिए करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्ण सम्मान की बात कही, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र ने व्यापक और स्थायी समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शामिल होने की उम्मीद है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी सम्मेलन में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाली यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

भारत की अध्यक्षता में क्या होगा खास : विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य और साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ आउटरीच के तहत आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

प. एशिया तनाव: ईरान में शादी के जश्न पर बरसीं अमेरिकी मिसाइलें

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिरिक इलाके में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब अमेरिकी हवाई हमले की चपेट में यह कार्यक्रम आ गया। ईरानी अधिकारियों और सरकारी मीडिया के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित तटीय क्षेत्र में हुई। ईरानी अधिकारियों ने इसे युद्ध के दौरान नागरिकों के लिए सबसे गंभीर घटनाओं में से एक बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई को इससे पहले हुई घटनाओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। प्रवक्ता ने विशेष रूप से मिनाब में एक स्कूल पर हुए हवाई हमले का उल्लेख किया, जिसमें ईरानी अधिकारियों के अनुसार युद्ध के पहले दिन एक बालिका विद्यालय में 160 लोगों की जान गई थी। मिनाब की घटना को लेकर अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। हालांकि, एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह हमला पुराने लक्ष्य संबंधी आंकड़ों के इस्तेमाल का नतीजा हो सकता है।

सिरिक में शादी समारोह पर हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य तनाव तेज हो गया है। बुधवार को दोनों देशों के बीच पिछले कई हफ्तों में सबसे बड़ा सैन्य टकराव देखने को मिला। अमेरिका की ओर से आगे और भी अधिक व्यापक हमले किए जाने की चेतावनी दी गई है। ऐसे में शादी समारोह में हुई नागरिक मौतों ने युद्ध के मानवीय प्रभाव को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया।

ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खात्मे पर भी बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध' : साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते। ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुना हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते।

दुनिया के अंत पर भी बोले वेंस : क्रॉफर्ड ने वेंस से दुनिया के अंत में उनकी दिलचस्पी के बारे में भी पूछा। इस पर उपराष्ट्रपति ने हंसते हुए कहा कि 1990 के दशक के आखिर में जवानी के दिनों में उनकी भी इसमें दिलचस्पी थी, जब लोग नई सदी के आने के साथ दुनिया के खत्म होने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। हंसते हुए वेंस ने एक दोस्त की कहानी सुनाई जिसे यह जुनून सवार था कि 2007 के आखिर में दुनिया खत्म हो जाएगी और उसने क्रेडिट कार्ड पर भारी कर्ज ले लिया था।

एआई को लेकर जताई चिंता : वेंस ने कहा, 'दुनिया में कुछ ऐसी चीजे हैं, जिन्हें देखकर मुझे हैरानी नहीं होगी अगर 'एंटीक्राइस्ट' (शैतान का रूप) हमारे बीच घूम रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं इस पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की कोशिश करता हूं।' उन्होंने IT कंपनियों और इंसानी बातचीत की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंता जताई। बीते दिनों ट्रंप ने ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिस पर खासा विवाद हुआ था। हालांकि वेंस ने ट्रंप का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'उनका मकसद भगवान का मजाक उड़ाना या उनकी नकल करना नहीं था, वे ऐसे इंसान नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति अक्सर चीजों को हल्का-फुल्का रखने की कोशिश करते हैं और लगातार मजाक करते रहते हैं।

ट्रंप ने अपने करीबी अधिकारी को दी बड़ी जिम्मेदारी, कौन हैं पूर्व सील फाइटर हंग काओ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे कार्यकारी नौसेना सचिव हंग काओ को स्थायी नौकरी के लिए नामांकित कर रहे हैं। ट्रंप ने नौसेना के पूर्व अधिकारी को ऐस समय नियुक्ति दी है, जब ऐसी चिंताएं सामने आई हैं कि ईरान युद्ध के दौरान कुछ नाविकों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा है। दरअसल ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को करीब नौ महीने समुद्र में बिना रुके तैनात रहना पड़ा, जिससे कई अमेरिकी नौसैनिकों की मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा।

जॉन फेलन के इस्तीफे से मिला मौका : अप्रैल के आखिर में जॉन फेलन के अचानक और बिना किसी कारण के नौकरी छोड़ने के बाद हंग काओ को नौसेना का कार्यकारी सचिव नियुक्त किया गया था। जॉन फेलन ने कभी नौसेना में सेवाएं नहीं दी थीं या सर्विस में कोई सिविलियन लीडरशिप रोल भी नहीं निभाया था। वहीं काओ ने नेवी में स्पेशल ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर 25 साल बिताए और इराक और अफगानिस्तान में स्भ्वरु टीमों और स्पेशल फोर्सेज के साथ काम किया।

ट्रंप ने सीनेट से जल्द नियुक्ति की पुष्टि करने को कहा : ट्रंप ने काओ की नियुक्ति का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे एक सच्चे योद्धा को नॉमिनेट करते हुए खुशी हो रही है।' उन्होंने सीनेट से अपील करते हुए कहा कि इस योद्धा को जल्द से जल्द कन्फर्म करें। काओ ने सोशल मीडिया पर इसे नेवी और मरीन कॉर्प्स टीम के महान योद्धाओं का नेतृत्व करना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

अमेरिकी सेना में उथल-पुथल का दौर : काओ का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब कुछ लोग, जिनमें कांग्रेस में डेमोक्रेट्स भी शामिल हैं। मानते हैं कि ट्रंप नेवी पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे हैं। ईरान युद्ध में मदद के लिए यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की नौ महीने की तैनाती के दौरान समुद्र में बिना रुके रहने का रिकॉर्ड बना है। साथ ही उनकी नियुक्ति ऐसे समय भी हुई है, जब अमेरिकी मिलिट्री के टॉप लेवल पर उथल-पुथल मची हुई है। हालिया उदाहरण में, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने इस हफ्ते अपना इस्तीफा सौंप दिया, जबकि उनके और डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के बीच तनाव की खबरें बड़े पैमाने पर आ रही थीं। मौजूदा भूमिका से पहले काओ नेवी अंडरसेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने उन सर्विस मेंबर्स की ड्यूटी पर वापसी का समर्थन किया था, जिन्होंने बाइडेन के समय में वैक्सीन लेने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के करीबी माने जाने वाले काओ ने यह भी कहा कि उन्हें नेवी के डेमोंस्ट्रेशन स्क्वाड्रन, ब्लू एंजल्स के जुलाई में फ्लोरिडा के भीड़भाड़ वाले बीच पर इतनी कम ऊंचाई पर उड़ने से कोई दिक्कत नहीं थी।

पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

काहिरा, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है।

अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत : शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और सैन्य गार्डों ने रेड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है।

चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी : चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़ : मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के पूर्व में बिजनेस हब और नील डेल्टा में औद्योगिक क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिक रेल लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था। चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

क्या है तहरीक-ए-लब्बैक: पाकिस्तान में मदरसे के लिए 125 साल पुराना मंदिर ढहाया, पंजाब में कैसे हिंदुओं को डराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात कैसे हैं, यह पूरी दुनिया में किसी से नहीं छिपा है। हालांकि, अब शहबाज शरीफ की सरकार के कार्यकाल में चरमपंथी ताकतें प्रतिबंधित होने के बावजूद खुलेआम न सिर्फ लोगों को डरा रही हैं, बल्कि उनके पूजास्थलों को भी ढहाने और उसकी जमीन पर कब्जा करने में जुट गई हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले का है। यहां सिराज गांव में एक चरमपंथी संगठन- तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कथित तौर पर एक 100-125 साल पुराने हिंदू पूजास्थल को ढहा दिया। कहा जा रहा है कि इस संगठन ने ऐसा मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और पास ही मौजूद एक मदरसे का दायरा बढ़ाने के लिए किया।

आइये जानते हैं कि जिस मंदिर के ढहाए जाने को लेकर इस वक्त पाकिस्तान में बवाल मचा है, वह क्या है और कहां है? इसके साथ हाल ही में ऐसा क्या हुआ, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान चरमपंथी संगठन और उनकी खुलेआम अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए जा रहे जुर्मों की तरफ कर दिया है? यह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान क्या है, जिससे न सिर्फ अल्पसंख्यक, बल्कि पाकिस्तान की सरकार तक घबराती है? क्यों शहबाज सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद यह संगठन मजबूत बना हुआ है।

कब ढहाया गया यह पूजा स्थल, क्यों पैदा हुआ विवाद : इस ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को 21 अगस्त 2026 को ढहाया गया था। हालांकि, इसे ढहाए जाने के मामले ने तूल अगस्त के अंत में पकड़ा। दरअसल, इस मंदिर के ढहने की वजहों और इसकी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर दो परस्पर विरोधी दावे सामने आ गए, जिससे यह विवाद और बड़ा हो गया है।

अल्पसंख्यक संगठन बोले- मंदिर को सोची-समझी साजिश के तहत गिराया गया : स्थानीय हिंदू प्रतिनिधियों और अल्पसंख्यक संगठनों का आरोप है कि लगभग 100 से 125 साल पुराने इस मंदिर को जानबूझकर और एक साजिश के तहत गिराया गया है, ताकि मंदिर की करीब 1,000 वर्ग मीटर जमीन पर पास के मदरसे का कब्जा कराया जा सके। पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी के अध्यक्ष असलम परवेज सहोत्रा ने बताया कि मंदिर विध्वंस में चरमपंथी धार्मिक राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े लोग शामिल थे। वे मंदिर को गिराने के बाद उसके शिखर से धातु के उपकरण और ईंटें भी उठाकर ले गए। सहोत्रा के मुताबिक, मंदिर से सटी जमीन को पहले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने मदरसे के लिए पट्टे पर दिया था। किराया न चुकाने और नियमों के उल्लंघन के कारण 29 जनवरी 2026 को इस पट्टे को रद्द कर दिया गया और अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए गए थे, लेकिन प्रशासन ने इस आदेश को लागू नहीं किया।

नारोवाल जिला शांति समिति और 'पाक धरम आस्थान हिंदू समिति' के सदस्य और हिंदू समुदाय के नेता रतन लाल ने घटना स्थल के आसपास के डरावने माहौल को बयां करते हुए कहा- 'मंदिर परिसर में जो मदरसा लगातार चल रहा है, उसकी उपस्थिति के कारण हम अब उस जगह पर जाने से भी डरते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद मंदिर की रक्षा करने और वहां से अवैध कब्जे हटाने में पूरी तरह विफल रहे।

प्रशासन बोला- भारी बारिश की वजह से गिर गया मंदिर का ढांचा : अल्पसंख्यक संगठनों के उलट ईटीपीबी के वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार और जिला प्रशासन ने जानबूझकर ढांचा गिराए जाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण यह पुराना और जर्जर ढांचा अपने आप ढह गया। अधिकारी ने सफाई दी कि मंदिर की मूल भूमि को कभी किसी को पट्टे पर नहीं दिया गया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तान का प्रतिबंधित चरमपंथी, कट्टरपंथी और अति-दक्षिणपंथी इस्लामी राजनीतिक संगठन है। इसी संगठन पर नारोवाल जिले में एक 100 साल से भी पुराने ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को ढहाने का आरोप लगा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंधु जल संधि पर भारत का रुख सख्त, पाक की अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी विवाद अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी मुखर हो रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत ने अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर इस विषय को उठाकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि उनकी यह कोशिश कोई खास कामयाब नहीं हुई।

अपने संबोधन में पीएम शहबाज शरीफ ने पानी को क्षेत्र की जीवनरेखा बताया और इस बात पर जोर दिया कि पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और साझा जल संसाधनों को लेकर देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि समझौतों को उनकी भावना और शब्दों के मुताबिक लागू किया जाना चाहिए। पाकिस्तान की इस अपील को भारत के साथ चल रहे सिंधु जल संधि विवाद से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। पाकिस्तान लगातार यह दावा करता रहा है कि 1960 की सिंधु जल संधि दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे का आधार है और इसे लागू किया जाना चाहिए। भारत ने यह कड़ा कदम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद उठाया था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। तब से भारत अपने इस रुख पर अडिग है कि आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई के बिना पाकिस्तान से किसी भी तरह की बातचीत संभव नहीं है और सिंधु का पानी रुका रहेगा। शहबाज शरीफ की बातों से स्पष्ट संकेत मिल रहा था कि भारत का दांव बिल्कुल सही पड़ा है और पाकिस्तान अपने किए की सजा भुगत रहा है। विवाद के एक अन्य पहलू में हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन का फैसला भी शामिल है, जिसने सिंधु जल संधि को कानूनी रूप से लागू माना और संधि के तहत विवाद निपटान प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात कही। पाकिस्तान ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे अपनी जीत के तौर पर पेश किया है। हालांकि, भारत ने पूरी कार्यवाही को मानने से साफ इंकार किया है। भारत का कहना है कि यह ट्रिब्यूनल अवैध रूप से गठित किया गया है और उसे भारत पर कोई अधिकार क्षेत्र हासिल नहीं है। इस मामले में भारत का रुख साफ है कि उसके हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और उनसे जुड़े फैसले किसी ऐसे ट्रिब्यूनल के आदेश से प्रभावित नहीं होंगे, जिसे वह खुद मान्यता ही नहीं देता।

सायोनी घोष की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात, राजनीतिक हलचल तेज

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में सायोनी घोष की सीएम विजय से मुलाकात से भाजपा–टीएमसी के कान खड़े हो गए हैं. चेन्नई में तृणमूल कांग्रेस की बागी सांसद सायोनी घोष ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मुलाकात की है। दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक राजनीतिक हलचलें तेज हो गई है। सायोनी घोष ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए विजय के सुशासन, समावेशी विकास और तमिलनाडु के भविष्य को लेकर उनके विजन की तारीफ की है। उन्होंने विजय की पश्चिम बंगाल की संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि का भी उल्लेख किया। सायोनी घोष के हालिया राजनीतिक रुख को देखते हुए इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट मानने को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा और टीएमसी दोनों ही इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि मुलाकात में किसी राजनीतिक गठजोड़ या भविष्य की रणनीति की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. बदले हुये राजनीतिक समीकरणों के बीच इस मुलाकात ने अटकलों को जरूर हवा दे दी है।

कीटनाशक बन रहा मौत का बड़ा कारण, हर साल 11000 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीटनाशकों के जहरीले प्रभाव को लेकर सामने आई नई वैश्विक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में हर साल करीब 11 हजार लोगों की मौत अनजाने में कीटनाशकों के संपर्क या विषाक्तता होने से होती है। इनमें लगभग 60 प्रतिशत मौतें भारत में होने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 40.2 से 43.3 करोड़ किसान और कृषि श्रमिक कीटनाशक विषाक्तता से प्रभावित होते हैं। दक्षिण एशिया इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में है। विशेषज्ञों ने अत्यधिक जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल पर नियंत्रण, किसानों को सुरक्षा प्रशिक्षण और सुरक्षित कृषि विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरत बताई है। हालांकि, 60 प्रतिशत का आंकड़ा कुल भारतीय मौतों का नहीं, बल्कि अनुमानित वैश्विक कीटनाशक–विषाक्तता मौतों में भारत की हिस्सेदारी का है।

दो शिक्षकों ने 12 छात्राओं के साथ किया दुष्कर्म, अश्लील वीडियो भी बनाया

बक्सर (एजेंसी)। बिहार के बक्सर जिले से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। डुमरांव प्रखंड के एक मध्य विद्यालय में दो शिक्षकों पर करीब 12 नाबालिग छात्राओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी शिक्षकों ने छात्राओं को हवस का शिकार बनाने के साथ–साथ उनका अश्लील वीडियो भी बनाया। यह शर्मनाक हरकत पिछले कई दिनों से चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिन पहले जब यह अश्लील वीडियो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी। वीडियो सामने आते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। विभाग ने दोनों आरोपी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार की देर रात तक बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपी शिक्षकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों और ग्रामीणों से लिखित आवेदन ले लिया गया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्रभारी डीएसपी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम अलग–अलग जगहों पर छापे मार रही है। बक्सर के एसपी ने घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टीएमसी दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप- अभिषेक ने बीजेपी को घेरा, पुलिस पर उठाए सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित अपनी पार्टी कार्यालय में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4-30 बजे दफ्तर में घुसे। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि हथियारों से लैस इन हमलावरों ने कार्यालय के कर्मचारियों से मारपीट की, उनके फोन छीन लिए, फर्नीचर तोड़ दिया, दफ्तर में पूरा सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भारी नुकसान पहुँचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एयर प्यूरिफायर, प्रिंटर और टीवी जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी किए गए।
टीएमसी अभिषेक बनर्जी के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह वहीं टीएमसी कार्यालय है जो कुछ दिन पहले भी विवादों में था। 31 अगस्त को कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मौजूदगी में इस इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। उस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में अभिषेक सहित 3 टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

सीएम मान का दावा : कृषि कानूनों की वापसी पर भाजपा-शिअद गठबंधन!

संगरूर (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा दावा कर कहा कि भाजपा शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ गठबंधन की तैयारी में है। वहीं इस समझौते की शर्त तीनों ''काले'' कृषि कानूनों को वापस लाना है। सीएम मान ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित अकाली–भाजपा गठबंधन केवल ''राजनीतिक फायदे'' के लिए किया जा रहा है।
उन्होंने कहा कि शिअद सत्ता हासिल करने के लिए ''पंजाब में कुछ भी बेचने'' को तैयार है और सीएम मान ने दावा किया कि पंजाबी कभी भाजपा को वोट नहीं देने वाले हैं। जो वोट हासिल करने के लिए सांप्रदायिक विभाजन का इस्तेमाल करती है।
मुख्यमंत्री मान ने दोनों दलों के बीच कथित ''गठजोड़'' का प्रमाण पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की जीत को बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव में अकाली दल के छात्र संगठन 'स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया' (एसओआई) ने एबीवीपी का समर्थन किया था, जिससे उनके बीच की मिलीभगत उजागर हुई।
संगरूर में जनसभा को संबोधित कर सीएम मान ने लोगों को आगाह किया कि अकाली दल हमेशा पंजाब के हितों के खिलाफ काम करने वाली ताकतों से हाथ मिलाकर ''पंजाब विरोधी'' रुख अपनाती रही है।
उन्होंने चेताया कि अगर यह अकाली–भाजपा गठबंधन सत्ता में आता है, तब वह किसानों पर एक बार फिर ''कठोर'' कृषि कानून थोप सकता है।

पंजाब वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कटा, आप को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी।
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। पंजाब में ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद से इस मामले पर राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। चड्ढा ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर बदले की कार्रवाई के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, आप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि एसआईआर का संचालन चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा 13 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट लिस्ट में चड्ढा का नाम एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट) श्रेणी में दर्शाया गया था। उनके स्टेटस के आगे स्थायी रूप से स्थानांतरित लिखा हुआ था, जिसका अर्थ है कि वे किसी अन्य जगह पर चले गए हैं। हालांकि, ड्राफ्ट से हटाए गए नामों को दोबारा सूची में शामिल करने का प्रावधान है, और 13 अगस्त से 12 सितंबर तक यह प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के बाद पंजाब की अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में एसआईआर के माध्यम से 13 करोड़ से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं। राघव चड्ढा ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आप सरकार द्वारा बदले की राजनीति का एक नया स्तर बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे पंजाब से राज्यसभा के मौजूदा सांसद हैं और उनका वोटर आईडी मोहाली में पंजीकृत है, तब भी उनका नाम स्थानांतरित (शिफ्टेड) दिखाया गया है। चड्ढा के अनुसार, यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें शिफ्टेड किसने बताया और इसका सत्यापन किसने किया? उनके मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी प्रशासनिक स्तरों पर, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से लेकर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तक, पंजाब सरकार के अधिकारी ही तैनात हैं। चड्ढा ने कहा कि ये अधिकारी अच्छी तरह जानते हैं कि चुनाव ड्यूटी के बाद आप सरकार उनके स्थानांतरण, पोस्टिंग और करियर को नियंत्रित करती है, और कौन उनका जीवन मुश्किल बना सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार राजनीतिक बदला लेने के लिए राज्य के अधिकारियों पर दबाव डालती है।

कांग्रेस ने खाद्य सुरक्षा और गरीबों की स्थिति सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाई

-खड़गे ने केंद्र पर साधा निशान कहा- इस सरकार क्या का योगदान है

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों का जीवन बेहतर बनाने में इस सरकार का योगदान क्या है, जबकि कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीबों की स्थिति सुधारने के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। खड़गे ने 'डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी पुरस्कार-2026 समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह पुरस्कार कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के नाम पर स्थापित संस्था 'एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन' को दिया गया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति के जरिए भूख के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जबकि सोनिया गांधी के प्रयासों से देश में खाद्य सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए कानून आया। उन्होंने कहा कि 1960-61 से 1980-81 के बीच चावल का उत्पादन 3.46 करोड़ टन से बढ़कर 5.36 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 1.1 करोड़ टन से बढ़कर 3.63 करोड़ टन हो गया। खड़गे का कहना था कि हरित क्रांति ने भारत को ÷अनाज के कटोरे÷ में बदलने में अहम भूमिका निभाई।
उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की उपलब्धि है, लेकिन मौजूदा सरकार की उपलब्धि क्या है, मोदीजी की उपलब्धि क्या है?÷ खड़गे ने कहा कि जब भारत खाद्यान्न की कमी और अकाल से जूझ रहा था, तब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हरित क्रांति को सरकार की प्राथमिकता बनाया गया। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का योगदान इस बदलाव में अहम था। उन्होंने स्वामीनाथन के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं थी, बल्कि किसानों तक सिंचाई, बिजली, बेहतर बीज, उर्वरक, ऋण और प्रभावी कृषि विस्तार सेवाएं पहुंचाना भी जरूरी था।
खड़गे ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान को भी याद किया और कहा कि राजशेखर रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में ÷ईंट-ईंट जोड़कर÷ कांग्रेस को खड़ा किया और पार्टी के मुश्किल दौर में उसे मजबूत किया। उन्होंने कहा कि 2004 में सीएमए बनने से पहले राजशेखर रेड्डी ने भीषण गर्मी में 1,400 किलोमीटर से ज्यादा की पदयात्रा की और लोगों से सीधे संवाद किया।

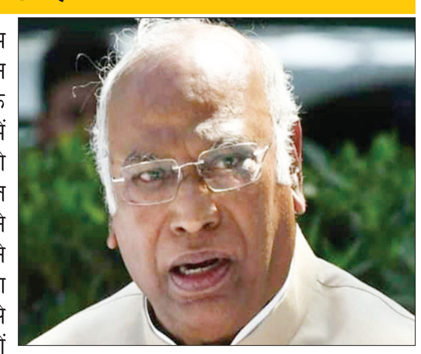

उनका मानना था कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को ÷गरिमा, सुरक्षा और अवसर÷ देना है। उन्होंने कहा कि राजशेखर रेड्डी और स्वामीनाथन की सोच में समानता थी कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी किसान या गरीब परिवार को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
बता दें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजशेखर रेड्डी 2004 से 2009 तक आंध्र प्रदेश के सीएम रहे। 2009 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके पुत्र वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने कांग्रेस छोड़कर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी बनाई और बाद में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उनकी पुत्री वाईएस शर्मिला वर्तमान में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष हैं। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

मानसून का कहर : बिहार में गंगा उफान पर, यूपी में घर बहे, हिमाचल में सड़कें बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। बिहार, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन और मकान ढहने की घटनाओं से भारी तबाही मची है। जहां बिहार में गंगा नदी खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है, जिससे राज्य के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और आठ नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। बीते दो दिनों से हो रही रुक–रुककर बारिश ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। वहीं उत्तर प्रदेश में भी नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे बसे 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि कुल 2,910 लोग विस्थापित हुए हैं। जिला प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए 36 नावें लगाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की है। फतेहपुर जिले में बीते 15 दिनों की लगातार बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले में अब तक 67 मकान ढह गए हैं और बारिश संबंधी घटनाओं में तीन लोगों की जान गई है। सर्वाधिक नुकसान खागा तहसील में हुआ है, जहां 50 मकान तबाह हुए हैं। शहरी इलाकों में भी भीषण जलभराव है, जहां पंप लगाकर पानी निकालने का काम जारी है ताकि आवाजाही सामान्य हो सके। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और अब तक 11 परिवारों को सहायता राशि मिल चुकी है। वहीं पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी बुधवार रात हुई तेज बारिश के बाद भूस्खलन से 175 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। कालका–शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिरने से कई वाहन रातभर फंसे रहे, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की नियुक्ति पर छिड़ी सियासी बहस

अयोध्या, एजेंसी।
श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के तुरंत बाद, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है, जिसने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। मसूद ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ तौर पर कहा कि मंदिर से जुड़े कार्यों को केवल उन्हीं लोगों को सौंपा जाना चाहिए जिनका संबंध सीधे तौर पर मंदिर और उसकी परंपराओं से हो। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को अब राम मंदिर परियोजना में वित्तीय हित नजर आ रहा है, जिसके कारण वे इसे लालच की नजरों से देख रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, यह काम साधु-संतों का है, मंदिर से जुड़े लोगों का है। लेकिन अब एक एयर मार्शल, जो हवाई जहाज उड़ाते हैं, वे आरएसएस के जाल में फंस गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी पूछा कि क्या उन्हें भी आखिर में बेइज्ज़त करके निकाल दिया जाएगा? यह कैसा तमाशा है? मसूद ने दोहराया कि मंदिर के प्रबंधन और संचालन का कार्य उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो आध्यात्मिक रूप से इससे जुड़े हों, न कि उन पर जो बाहरी पृष्ठभूमि से आते हैं। उनके बयान में आरएसएस पर मंदिर निर्माण को एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में देखने का आरोप स्पष्ट रूप से झलकता है, जहां धन का प्रवाह उनके लिए एक प्राथमिक प्रेरणा बन गया है। इसी प्रेस वार्ता के दौरान, इमरान मसूद ने जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को लगातार मिल रही धमकियों और हमलों पर भी अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे को आगामी चुनावों से जोड़ते हुए कहा, चुनाव आने वाले हैं और हमला भी हो सकता है। मसूद ने आगे कहा कि आतंकवादी हमले, धमकियां और नफ़रत फैलाना, ये सब चुनाव के समय ही सामने आते हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि इससे फ़ायदा किसे होता है? जिसे फ़ायदा होता है, वही इसके लिए जिम्मेदार होता है। यह बयान मौजूदा सरकार और उसकी नीतियों पर एक परोक्ष निशाना था, जिसमें उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

मनोज जरांगे का अनशन जारी- स्वास्थ्य के लिए पानी और सलाइन पर सहमति

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महायुति सरकार की ओर से मिलने पहुंचे भाजपा विधायक प्रसाद लाड के आग्रह के बाद पानी पीने और सलाइन चढ़वाने पर सहमति जाहिर की है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया कि उनकी सभी मांगें पूरी होने तक उनका अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर उनकी भूख हड़ताल को 6 दिन हो गए है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त को शुरू हुआ जरांगे का अनशन मराठाओं के लिए आरक्षण और गजट रिकॉर्ड के आधार पर तुरंत कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों पर केंद्रित है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तब आंदोलन को और तेज किया जाएगा और मुंबई तक ले जाया जाएगा। जरांगे ने कहा, मैं पानी पी रहा हूं और सलाइन चढ़वा रहा हूं, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, मैं अनशन वापस नहीं लूंगा। उन्होंने दावा किया कि मराठाओं और कुनबियों के बीच वंशावली संबंध स्थापित करने वाले 58 लाख रिकॉर्ड मिले हैं, जिस संख्या को सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। चिकित्सकों ने जरांगे के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है, जहां उनके रक्त शर्करा का स्तर गिरा है। जालना की जिलाधिकारी आशिमा मित्तल ने जंरागे से मुलाकात कर अनशन समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन जरांगे ने सरकारी पक्ष को सुनने से इंकार कर कहा कि इस मुद्दे से जुड़े फैसले राज्य स्तर पर लिए जाने हैं। उन्होंने भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना कर दावा किया कि मराठा आरक्षण का मुद्दा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच श्रेय लेने की राजनीतिक खींचतान में फंस गया है। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री ने पूर्व में बयान दिए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा था कि सरकार संवैधानिक रूप से वैध और कानूनी तौर पर व्यावहारिक मांगों पर चर्चा के लिए तैयार है, जबकि शिंदे ने मराठा समुदाय को किसी अन्य वर्ग के साथ अन्याय किए बिना न्याय दिलाने की बात कही थी। जरांगे ने बीते साल भी 29 अगस्त को ऐसा ही विरोध प्रदर्शन किया था, जो कि दो सितंबर को कुछ मांगें माने जाने के बाद वापस ले लिया गया था, लेकिन अब यह मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है।

उत्तर प्रदेश 2027: विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा, दल बुन रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठी है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अपनी खोई हुई जमीन को फिर से मजबूत करने में जुटी है। वहीं, कांग्रेस भी जन-मुद्दों को लेकर आक्रामक तेवर दिखा रही है।
भाजपा की रणनीति मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर आधारित है- मजबूत बूथ प्रबंधन, लाभार्थी वर्ग को सशक्त करना और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यापक दौरे। पार्टी अपने पुराने और सफल बूथ जीतो, चुनाव जीतो के फॉर्मूले पर काम कर रही है, जिसके तहत बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और छात्राओं को स्कूटी जैसी घोषणाओं के जरिए लाभार्थी वर्ग को और मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं जिलेवार दौरे कर सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश कर रहे हैं। युवाओं को साधने के लिए पार्टी ने सेवा संकल्प अभियान में युवा केंद्रित कार्यक्रमों को शामिल किया है।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 2022 के प्रदर्शन से बेहतर नतीजों और लगातार तीसरी जीत का दावा किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन पूरे कर चुकी है और अब भौतिक सत्यापन पर जोर दे रही है। चौधरी का कहना है कि जहां विपक्षी दल अभी तैयारी शुरू कर रहे हैं, वहीं बीजेपी अंतिम चरण में है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनडीए का कुनबा, जिसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी और अपना दल शामिल हैं, पूरी तरह एकजुट है और सहयोगियों को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी। 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों, जैसे कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति, सुगम कनेक्टिविटी और लगातार बिजली आपूर्ति को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।अपने राजनीतिक करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही बहुजन समाज पार्टी इस बार बेहद सतर्कता के साथ अपनी रणनीति बुन रही है। पार्टी का मुख्य ध्यान अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजने और नए सामाजिक समीकरण बनाने पर है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती अपने कैडर को बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों के लुभावने वादों से दूर रहने की लगातार नसीहत दे रही हैं। पार्टी राज्य में रणनीतिक सर्वे करा रही है और संभावित प्रत्याशियों के साथ लगातार बैठकें जारी हैं। युवाओं को पार्टी से जोड़ने का महत्वपूर्ण जिम्मा आकाश आनंद के कंधों पर है। बीएसपी अपने पुराने सोशल इंजीनियरिंग के मॉडल को नए अंदाज में लागू कर अपने वोट बैंक का दायरा बढ़ाना चाहती है।